NEWS CLIPPING: 08, 09 & 10.02.2017

DAINIK JAGRAN

उद्योग–विजन 2040 विषय पर कार्यशाला

जासं, फरीदाबाद: 'हरियाणा में उद्योग-विजन 2040' विषय पर भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ) के सहयोग से वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सीआइआइ हरियाणा राज्य परिषद के अध्यक्ष अरुण भाटिया मुख्य वक्ता रहे और अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अध्यक्षता की। कार्यशाला में हरियाणा से उद्योग और शिक्षा जगत के लगभग 40 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिसमें सीआइआइ हरियाणा राज्य परिषद् के उपाध्यक्ष एवं जेबीएम समूह के कार्यकारी निदेशक निशांत आर्य, एस्कार्ट के मुख्य संचार अधिकारी शरद गुप्ता के अलावा हैलो, जेबीएम, सैमसंग, जेसीबी, बोली प्लायवुड, जेमको कंट्रोल्स, पेटिन रेफ्रिजरेशन, एनआइटी, कुरुक्षेत्र, वूआइटी कुरुक्षेत्र, वीएमएल मुंजाल युनिवर्सिटी के प्रतिनिधि शामिल रहे। कार्यशाला का उद्देश्य उद्योगों तथा शिक्षण संस्थाओं के बीच के अंतर को पहचानना तथा इस अंतराल को भरने के लिए उचित कदम उठाना था। उद्योग जगत से आए प्रतिनिधियों ने युवाओं के लिए विभिन्न उद्योगों के रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस तरह विद्यार्थियों के कौशल विकास द्वारा उन्हें रोजगार योग्य बनाया जा सकता है। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने शिक्षण संस्थानों को निर्धारित पाठ्यक्रम से आगे जाते हुए औद्योगिक जरूरत के अनुसार शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने की आवश्यकता पर बल दिया।

'हरियाणा मे उद्योग – विजन 2040' विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला के दौरान चर्चा करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार एवं अन्य प्रतिनिधि • जागरण

आयोजन

- उद्योग और शिक्षा जगत के लगभग 40 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया
- विभिन्न उद्योगों के रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी दी

NEWS CLIPPING: 08, 09 & 10.02.2017

NAVBHARAT TIMES

कार्यशाला में बताया उद्योग विजन

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में बुधवार को हरियाणा में उद्योग विजन-2040 विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला फरीदाबाद के इंडस्ट्री रिलेशंस प्रकोष्ठ की ओर से उद्योग-अकादमिक सहभागिता बढ़ाने के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से आयोजित की गई थी। कार्यशाला में सीआईआई हरियाणा राज्य परिषद के अध्यक्ष अरुण भाटिया मुख्य वक्ता रहे। कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने की। कार्यशाला में हरियाणा से उद्योग और शिक्षा जगत के लगभग 40 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिसमें सीआईआई हरियाणा राज्य परिषद के उपाध्यक्ष और जेबीएम समूह के कार्यकारी निदेशक निशांत आर्य, एस्काट्र्स के मुख्य संचार अधिकारी शरद गुप्ता आदि शामिल रहे।

AMAR UJALA

अनुसंधान परियोजना में भागीदारी निभाए उद्योग

फरीदाबाद (ब्यूरो)। वाईएमसीए विश्वविद्यालय के कुलपति दिनेश कुमार ने कहा कि अनुसंधान एवं विकास परियोजना में भागीदारी के लिए उद्योग जगत को आगे आना होगा। शिक्षा क्षेत्र तथा उद्योगों के बीच परस्पर भागीदारी और मजबूत संबंध समय की मांग है। बृहस्पतिवार को वाईएमसीए विश्वविद्यालय में आयोजित उद्योग विजन 2040 नाम के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही।

उन्होंने कहा कि उद्योग जगत को शिक्षण संस्थानों में उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम, प्रबंधन विकास कार्यक्रम, विकास गतिविधियों जैसी विभिन्न पहल में सहयोग देने के लिए प्रयास करने चाहिए। मुख्य अतिथि सीआईआई हरियाणा राज्य परिषद के अध्यक्ष अरुण भाटिया ने कहा कि निवेश के लिए हरियाणा सबसे बेहतरीन स्थान है।

NEWS CLIPPING: 08, 09 & 10.02.2017

PUNJAB KESARI

हरियाणा उद्योग विजन 2040 पर हुई कार्यशाला

फरीदाबाद, 9 फरवरी (पंकेस): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फरीदाबाद के इंडस्ट्री रिलेशन्स प्रकोष्ठ की ओर से सीआईआई के सहयोग से 'हरियाणा में उद्योग-विजन 2040 'विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सीआईआई हरियाणा राज्य परिषद् के अध्यक्ष अरुण भाटिया मुख्य वक्ता रहे और अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। कार्यशाला में हरियाणा से उद्योग और शिक्षा जगत के 40 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिसमें सीआईआई हरियाणा राज्य परिषद् के उपाध्यक्ष निशांत आर्य, एस्कॉर्ट के शरद गुप्ता के अलावा हैला, जेबीएम, सैमसंग, जेसीबी, बोली प्लायवुड, जेमको कंट्रोल्स, पेटिन रेफ्रिजरेशन, एनआईटी, कुरुक्षेत्र, यूआईटी कुरुक्षेत्र, बीएमएल मुंजाल यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि शामिल रहे।

पंजाब केसरी ई-पेपर Fri, 10 Fe epaper.pun

NEWS CLIPPING: 08, 09 & 10.02.2017

DAINIK BHASKAR

अनुसंधान और विकास परियोजनाओं में भागीदारी के लिए आगे आए उद्योग जगत : प्रो. दिनेश कुमार

फरीदाबाद | वाईएमसीए विश्वविद्यालय में इंडस्ट्री रिलेशंस प्रकोष्ठ ने उद्योग-अकादमिक सहभागिता बढ़ाने पर चर्चा के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से हरियाणा में उद्योग विजन 2040 विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें सीआईआई हरियाणा राज्य परिषद के अध्यक्ष अरुण भाटिया मुख्य वक्ता थे। जबकि अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। कार्यशाला में हरियाणा से उद्योग और शिक्षा जगत के लगभग 40 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। मुख्य वक्ता भाटिया ने देश में उद्योग व शिक्षण संस्थानों के बीच संबंधों की वास्तविक स्थिति से परिचय कराते हुए कहा कि शिक्षण क्षेत्र व उद्योग दोनों को एक-दूसरे की क्षमताओं को पहचानते हुए विश्वास के साथ प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा आज निवेश की दृष्टि से हरियाणा सबसे बेहतरीन स्थान है। सरकार भी तेजी से औद्योगिक विकास के लिए प्रयासरत है। इसके मद्देनजर उद्योग और शिक्षा क्षेत्र को एकीकृत दृष्टिकोण रखते हुए एक-दूसरे की अपेक्षाओं को पूरा करना होगा ताकि भावी मानव संसाधन को बेहतर अवसरों के लिए तैयार किया जा सके। उन्होंने कहा बेहतर पाठ्यक्रम व फैकल्टी, विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम तथा अनुसंधान परियोजनाओं के लिए दोनों पक्षों को परस्पर सहयोग एवं योगदान देना होगा। अनुसंधान के क्षेत्र में उद्योग जगत द्वारा अधिक योगदान देने की आवश्यकता पर बल देते हुए वाईएमसीए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र तथा उद्योगों के बीच परस्पर भागीदारी और मजबूत संबंध समय की मांग है। ऐसी भागीदारी संयुक्त रूप से अनुसंधान व विकास प्रयोगशालाओं की स्थापना या संयुक्त रूप से परामर्श परियोजनाओं के रूप से शुरू किया जा सकता है जो दोनों के बीच फायदेमंद होगा। उन्होंने कहा उद्योग जगत को शिक्षण संस्थानों में उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम, प्रबंधन विकास कार्यक्रम, प्रयोजित अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों जैसी विभिन्न पहल में सहयोग देने के लिए प्रयास करना चाहिए। इसके बदले में उद्योग को कुशल कार्यबल तथा औद्योगिक समस्याओं के समाधान के रूप में लाभ पहुंचेगा। कार्यशाला के समापन पर शरद गुप्ता ने सभी प्रतिनिधियों का आभार जताते हुए कार्यशाला का सारांश प्रस्तुत किया। मुख्य विषय हरियाणा में उद्योग विजन 2040 के महत्व पर भी प्रकाश डाला। अंत में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए।

वाईएमसीए में स्टूडेंट चैप्टर का शुभारंभ

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से बुधवार को भारतीय हरित भवन परिषद (आईजीबीसी) के स्टूडेंट चैप्टर का शुभारंभ किया। यह चैप्टर विश्वविद्यालय के इंडस्ट्री रिलेशन प्रकोष्ठ ट्रेनिंग व प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में प्रारंभ किया जा रहा है। इस मौके पर सीआईआई हरियाणा राज्य परिषद के अध्यक्ष अरुण भाटिया मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। उन्होंने कहा पर्यावरण अनुकूल तकनीकों पर आधारित हरित भवनों का निर्माण व शहरी विकास समय की मांग है। इससे न केवल मानव जीवन व स्वास्थ्य स्तर में सुधार होगा। वातावरण को बेहतर बनाने की मदद मिलेगी। उन्होंने कहा वाईएमसीए द्वारा विश्वविद्यालय में बनने वाली हर इमारत को इको फ्रेंडली बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे न सिर्फ ऊर्जा संसाधनों की बचत होगी। बल्कि यह सुरक्षा की दृष्टि से भी अधिक फायदेमंद है। इस मौके पर अरुण भाटिया ने बताया कि आईजीबीसी स्टूडेंट चैप्टर को शुरू करने का उद्देश्य हरित भवन अवधारणा से भावी इंजीनियरों को अवगत कराना व हरित प्रौद्योगिकी की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करना है। इस मौके पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, संकायाध्यक्ष प्रो. संदीप ग्रोवर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. एमएल अग्रवाल व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार आहूजा आदि मौजूद थे।

NEWS CLIPPING: 08, 09 & 10.02.2017

NAVBHARAT TIMES

स्टूडेंट चैप्टर का किया शुभारंभ

■ **वस, फरीदाबाद** : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी फरीदाबाद और भारतीय उद्योग परिसंघ के सहयोग से भारतीय हरित भवन परिषद के स्टूडेंट चैप्टर का शुभारंभ किया गया। आईजीबीसी का स्टूडेंट चैप्टर यूनिवर्सिटी के इंडस्ट्री रिलेशन प्रकोष्ठ तथा ट्रेनिंग व प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में शुरू किया गया। इस अवसर पर सीआईआई हरियाणा राज्य परिषद अध्यक्ष अरुण भाटिया मुख्य अतिथि रहे।

सेमिनार में दी जानकारी

■ **वस, फरीदाबाद** : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी की ओर से राष्ट्रीय चेतनाशक्ति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय शिक्षा प्रणाली में खामियां तथा सुधार के उपाय विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान सचिव डॉ.हरजीत सिंह आनंद मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम का प्रारंभ राष्ट्रीय चेतनाशक्ति फाउंडेशन अध्यक्ष डॉ.सुखबीर सिंह मलिक के संबोधन से हुआ। सेमिनार को आईआईटी खड़गपुर से प्रफेसर बीएन सिंह, वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के अकादमिक सलाहकार प्रफेसर ओपी अरोड़ा, प्रफेसर एमपी जैन, प्रफेसर अरविंद गुप्ता ने भी संबोधित किया। संचालन डॉ.दिव्यज्योति ने किया।

NEWS CLIPPING: 08, 09 & 10.02.2017

PUNJAB KESARI

'छात्रों के कौशल पर ध्यान दें शिक्षक'

- डॉ. हरजीत सिंह आनंद रहे मुख्य वक्ता
- शिक्षा प्रणाली में सुधार पर दिए सुझाव

फरीदाबाद, 7 फरवरी (पंकेस): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय चेतनाशक्ति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय शिक्षा प्रणाली में खामियां तथा सुधार के उपाय' विषय पर एक दिवसीय सेमिनार हुआ।

भारत सरकार में पूर्व प्रधान सचिव डॉ. हरजीत सिंह आनंद मुख्य वक्ता रहे तथा भारतीय शिक्षा प्रणाली को लेकर अपने विचार रखे। सेमिनार के संयोजक राष्ट्रीय चेतनाशक्ति फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. सुखबीर सिंह मलिक रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुल सचिव डॉ संजय कुमार शर्मा ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ डॉ. सुखबीर मलिक के संबोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने सेमिनार की विषय वस्तु पर अपने विचार रखे तथा वक्ताओं का परिचय करवाया। मुख्य वक्ता डॉ. हरजीत आनंद ने भारतीय शिक्षा प्रणाली के वर्तमान परिदृश्य पर अपने उद्‌गार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर शिक्षा प्रणाली क्षमता और कौशल पर निर्भर करती है। प्रत्येक शिक्षक को विद्यार्थी की क्षमता और कौशल पर ध्यान देते हुए विद्यार्थी के व्यक्तित्व पर ध्यान देना चाहिए। इसलिए शिक्षा की पूर्ण प्रक्रिया में शिक्षकों की भूमिका अहम है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed, 08 February 2017
epaper.punjabkesari.in//c/16705739

NEWS CLIPPING: 08, 09 & 10.02.2017

AMAR UJALA

भारतीय शिक्षा प्रणाली में सुधार की जरूरत : आनंद

वाईएमसीए में राष्ट्रीय चेतना शक्ति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ सेमिनार

बल्लभगढ़ (ब्यूरो)। वाईएमसी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय चेतना शक्ति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय शिक्षा प्रणाली में खामियां तथा सुधार के उपाय' विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस मौके पर भारत सरकार में पूर्व प्रधान सचिव डॉ. हरजीत सिंह आनंद मुख्य वक्ता रहे। सेमिनार के संयोजक राष्ट्रीय चेतनाशक्ति फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. सुखबीर सिंह मलिक रहे। अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. संजय शर्मा ने की। मुख्य वक्ता डॉ. आनंद ने कहा कि शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर शिक्षा प्रणाली क्षमता और कौशल पर निर्भर करती है।

प्रत्येक शिक्षक को विद्यार्थी की क्षमता और कौशल पर ध्यान देते हुए विद्यार्थी के व्यक्तित्व पर ध्यान देना चाहिए, इसलिए शिक्षा की पूर्ण प्रक्रिया में शिक्षकों की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली में प्राथमिक स्तर पर लेकर उच्चतर स्तर तक के सुधार को जरूरी बताया। कुलसचिव डॉ. शर्मा ने शिक्षा की वर्तमान प्रणाली में सुधार की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि भारतीय शिक्षा की मौजूदा व्यवस्था में वैदिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, जिसके लिए शिक्षा का पुर्नोत्थान जरूरी है।

सेमिनार को आईआईटी खड़गपुर से प्रो. बीएन सिंह, अकादमिक सलाहकार प्रो. ओपी अरोड़ा, प्रो. एमपी जैन, डॉ. अरविंद गुप्ता ने भी संबोधित किया। संचालन डॉ. दिव्यज्योति ने किया। प्रो. राज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस मौके पर एसडी भाटिया, बलदेव सिंह, राजरूप सिंह, एमआर कैंथ मौजूद थे।

NEWS CLIPPING: 08, 09 & 10.02.2017

DAINIK BHASKAR

विद्यार्थियों की क्षमता व कौशल पर ध्यान दे शिक्षक : डॉ. आनंद

भारतीय शिक्षा प्रणाली में खामियां तथा सुधार के उपाय विषय पर सेमिनार का आयोजन

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय चेतना शक्ति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय शिक्षा प्रणाली में खामियां व सुधार के उपाय' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें वक्ताओं वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर अपने विचार रखें। इस मौके पर भारत सरकार में पूर्व प्रधान सचिव डा. हरजीत सिंह आनंद मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने भारतीय शिक्षा प्रणाली को लेकर अपने विचार रखे।

सेमिनार के संयोजक राष्ट्रीय चेतना शक्ति फाउंडेशन के अध्यक्ष डा. सुखबीर सिंह मलिक रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुल सचिव डा. संजय कुमार शर्मा ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ में डा. सुखबीर मलिक ने सेमिनार की विषय वस्तु पर अपने विचार रखे। इस मौके पर मुख्य वक्ता डा. हरजीत आनंद ने कहा कि शिक्षा के हर स्तर पर शिक्षा प्रणाली क्षमता और कौशल पर निर्भर करती है। हर शिक्षक को विद्यार्थी की क्षमता और कौशल पर ध्यान देते हुए विद्यार्थी के व्यक्तित्व पर ध्यान देना चाहिए। इसलिए शिक्षा की पूर्ण प्रक्रिया में शिक्षकों की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने कहा भारतीय शिक्षा प्रणाली में प्राथमिक स्तर पर लेकर उच्चतर स्तर तक सुधार को जरूरी बताया। कुलसचिव डा. संजय कुमार शर्मा ने शिक्षा की वर्तमान प्रणाली में सुधार की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि भारतीय शिक्षा की मौजूदा व्यवस्था में वैदिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। इसके लिए शिक्षा का पुनरुत्थान जरूरी है। सेमिनार को आईआईटी खड़गपुर से प्रो. बीएन सिंह, वाईएमसीए विश्वविद्यालय के अकादमिक सलाहकार प्रो. ओपी अरोड़ा, प्रो. एमपी जैन, डा. अरविंद गुप्ता ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डा. दिव्य ज्योति द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रो. राज कुमार, एसडी भाटिया, बलदेव सिंह, राजरूप सिंह, एसआर कैंथ के अलावा विभिन्न विभागों की संकाय सदस्य मौजूद थे।